3. हिन्दी – चीन में राष्ट्रवादी आंदोलन

Q. हिन्द चीन का क्या अर्थ है ?

उत्तर - हिन्द-चीन का तात्पर्य लाओस, वियतनाम और कंबोडिया के सम्मलित क्षेत्र से है, जिसका विस्तार लगभग 3 लाख वर्ग कि०मी० में है।

• वियतनाम, लाओस और कम्बोडिया के सम्मलित क्षेत्र को ही हिन्द-चीन या इंडों चाईना कहा जाता है।

★ **वियतनाम -** कोंचीन-चीन अन्नाम (चंपा) + तोंकीन

• दक्षिण पूर्व एशिया में स्थित था।

• इसका क्षेत्रफल 2.8 लाख वर्ग कि०मी०

• फ्रांस का उपनिवेश

• 1945 में वियतनाम आजाद हुआ।

• हो-ची मिन्ह की अध्यक्षता मे एक लोकतांत्रिक राज्य बना।

• आजाद होने के बाद वियतनाम 2 भागों में बंट गया।

1. उत्तरी वियतनाम

2. दक्षिणी वियतनाम

★ अंततः उत्तरी वियतनाम और दक्षिणी वियतनाम में गृह युद्ध छिड़ गया। और इस युद्ध में अमेरिका दक्षिणी वियतनाम का साथ देने लगा। यह लड़ाई काफी लंबा चला और अमेरिका को पीछे हटना पड़ा और 30 अप्रैल 1975 को वियतनाम व पुरा हुआ।

• वियतनाम पर चीन का प्रभाव था, लेकिन लाओस और कम्बोडिया पर भारत का प्रभाव था।

वियतनाम - कोचीन-चीन + अन्नाम (चंपा) + तोंकीन

अन्नाम - अन्नाम का दुसरा नाम चंपा था जो लगभग 200 ई० में बना था। जिसे एक मुस्लिम आक्रमणकारी (कुबलई खान) ने चंपा शहर को समाप्त कर दिया।

कम्बोडिया - कम्बोडिया में सूर्यदेववर्मन ने भगवन विष्णु का एक भव्य मंदिर का निर्माण कराया था जिसे अंकोरवाट का मंदिर कहते है।

★ हिन्द-चीन में फ्रांसीसी का उपनिवेशवाद –

Q. हिन्द -चीन में फ्रांसीसी का प्रसार कैसे हुआ ?

उत्तर - हिन्द-चीन का निर्माण हिन्द देशो से मिलकर किया जाता है। जिसका नाम लाओस वियतनाम और कंबोडिया है। 17वीं शताब्दी में बहुत सारे पादरी और व्यापारी हिन्द-चीन में आकर बस गये और कोचीन-चीन के राजा का इस्तेमाल कर 18वीं शताब्दी तक फ्रांसिसियों ने सम्पुर्ण क्षेत्रों पर धीरे-धीरे उपनिवेशवाद और सम्राज्यवादी प्रतियोगता के आधार पर कब्जा करने लगा। इसने प्रारंभ मे कुछ अच्छा काम किया लेकिन बाद में सारा सभ्यता संस्कृति धर्म, भाषा तथा शिक्षा फ्रांसिसी अपनाने को कहा और इस प्रकार से इसका आगमन हो जाता है। और 1787 ई० से फ्रांसीसीयों ने कब्जा करना शुरू कर दिया और लगभग 1887 ई० में फ्रेंच-इंडो-चाइना के स्थापना के साथ-साथ पुरे हिन्द-चीन पर अपना कब्जा जमा लिया।

★ हिन्द-चीन में फ्रांसीसी उपनिवेशवाद का कारण

1. आर्थिक कारण : हिन्दचीन मे अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार कृषि तथा बगान था। जिसमें प्रचुर मात्रा में धान और रबड़ की खेती होती थी। इसके अलावा खनिज सम्पदा

जैसे टीन, टंगस्टन, कोयला, जस्ता से भी परिपूर्ण था। इन सभी वस्तुओ पर अधिकार का अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत किया।

2. बर्बर / असभ्यों को सभ्य बनाने की नीती- फ्रांसीसियों को ऐसा लगता था उनके पास बहुत ज्यादा दिमाग है और बाकी हिन्द-चीन के सभी लोग अकलमंद है। और भगवन ने हमें सभी को सभ्य बनाने के लिए भेजा है। अतः फ्रांसीसी लोगों ने हिन्द चीन की निष्क्रीयता को हटाने का प्रयास किया तथा लोगों को सिमित मात्रा मे शिक्षित किया। साथ ही साथ समाजिक और धार्मिक परम्परा के अनुसार सुधारवादी साबित किया।

3. व्यापारिक सुरक्षा :- व्यापार के दृष्टीकोण से फ्रांसीसियों को हिन्द-चीन बहुत सुरक्षित स्थान लगता था। व्यापार करने के दृष्टिकोण से सबसे पहले पुर्तगाली, डच, फ्रांसीसी, बिट्रीश और स्पेन आया था। इसमें सबसे ज्यादा प्रसार फ्रांसीसी ने किया। इसका विदेय डच और बिट्रिश मिलकर करता है। जिससे उसका व्यापार ठप हो जाता है। और इसके बाद फ्रांसीसी लोग हिन्द-चीन पर अपना ध्यान केंद्रित कर लिए और अधिकार करना शुरू कर दिया।

4. कच्चे माल की आपूर्ति :- वियतनाम फ्रांस के लिए कच्चे माल का आधार और बिक्री बाजार का उपनिवेश बन गया था।

★ हिन्द-चीन में प्रशासनिक व्यवस्था –

Q. हिन्द-चीन में प्रशासनिक व्यवस्था कैसा था ।

उत्तर - हिन्द-चीन में फ्रांसीसीयों के कब्जा के बाद कोचीन-चीन पर फ्रांस का प्रत्यक्ष सरकार बना। और बाकी सभी जगह पर अप्रत्यक्ष सरकार बना।

★ औपनिवेशिक आर्थिक निति

1. पॉल बर्नाड की निति - लेखक तथा नीति-निर्माता था जिसने फ्रांसीसी उपनिवेशों को विकसित करने का प्रारूप प्रस्तावित किया उसका कहना था कि उपनिवेश लाभ कमाने के लिए बनाए जाते हैं। यदि उपनिवेश बनाए जाते हैं और लोगों के प्रति व्यक्ति आय उच्च होती है तो इससे उनकी क्रय-शक्ति बढ़ेगी और वे और अधिक वस्तुएँ खरीद सकेंगे। परिणामस्वरूप बाजार को विस्तार मिलेगा जिससे फ्रांसीसी व्यवसाय को बेहतर लाभ मिलेगा।

2. जमींदारी प्रथा - जिसमें भूमि का स्वामित्व उस पर काम करने वालों का न होकर किसी और (जमींदार) का होता था जो खेती करने वालों से कर वसूलते थे। जमींदारी प्रथा 1793 मै लॉर्ड कार्नवालिस ने चलाई थी। इसके अन्तर्गत ब्रिटिश सरकार द्वारा लोगो पर लगान वसूल करने के लिए जमीदार को नियुक्त किया जाता है।

Q. एकतरफा अनुबंध से आप क्या समझते है ?

उत्तर - यह भी एक प्रकार का बंधुआ मजदूर होता है। जिसमे फ्रांसीसी सरकार ने वियतनाम के मजदूरो के रबड़ की खेती तथा खाद्यानो मे काम करने के लिए मजबूर कर देता था और काम न करने पर उसे पिट-पिट कर जेल में बंद कर देता था।

इसमे मजदूरो को कोई अधिकार नही दिया गया। जबकि मालिक को भरपूर अधिकार दिया गया ।

Q. बंधुआ मजदूर किसे कहते है ?

उत्तर - वह व्यक्ति जो अपना ऋण चुकाने के लिए ऋणदाता के यहाँ काम करते है। जिसे बंधुआ मजदूर / बंधक मजदूर कहा जाता है। इसे बंधक मजदूरी बहुत कम कहा जाता है। इसे मजदूरी बहुत कम दिया जाता है। जिससे उसका भरण- पोषण सही ढंग से नही हो पाता है। प्राचीन काल मे इस प्रथा का प्रचलन युनान से था।

★ संरचनात्मक विकाश और औपनिवेशिक शिक्षा निति –

संरचनात्मक विकाश - फ्रांसीसियों ने पुरे हिन्द-चीन में सड़क और रेलवे का जाल बिछवाया जिससे पुरे हिन्द-चीन पर नियंत्रण रखा जा सके और व्यापार के रास्ते सुगम हो जाए।

औपनिवेशिक शिक्षा निति –

• फ्रांसीसियों ने (कोलोन) वियतनाम के लोगों को सिमित मात्रा मे शिक्षित किया।

• हिन्द-चीन के स्कूलों में पढने वाले सभी बच्चों को वियतनामी और फ्रांसीसी दोनों भाषा में शिक्षा दिया जाने लगा।

• फ्रांसीसियों ने अपने अनुसार किताब छपवाये जिसमें फ्रांसीसियों के बारे में अच्छी बातें और वियतनाम के बारे नकारात्मक बातें लिखी थी।

• अपने अनुसार शिक्षकों को पढाई के लिए नियुक्त किया।

• लोगों को यह पढाया जाने लगा की फ्रांसीसी धर्म (इसाई धर्म) और रीती-रिवाज वियतनाम के धर्म और रीती- रिवाज से बहुत अच्छा है।

• टोंकिन फ्री स्कूल की स्थापना करना

इस शिक्षा निति का विरोध सबसे पहले " साईबौन के गर्ल्स नेटिव स्कूल " में युवाओं ने शुरू किया।

★ टोंकिन फ्री स्कुल –

Q. वियतनाम टोंकिन फ्री स्कुल की स्थापना का क्या राज है।

उत्तर - वियतनाम में टोंकिन फ्री स्कुल की स्थापना 1907 मे किया गया था। इसमें यूरोपीय लोगो का कहना था कि खुन और रंग के आधार पर भले ही वियतनामी हो

परंतु आचरण और व्यवहार से नही। चुकि वियतनामी लोग फ्रांसीसी, धर्म, भाव, शिक्षा, रिती रिवाज सब अपना संस्कृति मे अवगत कराया। लंबे लंबे बाल के स्थान पर छोटा इसका विरोध वियतनाम के लोगों ने जम कर किया, और स्कॉलर्स रिवॉल्ट की घटना हुई।

Q. स्कॉलर्स रिवॉल्ट क्या है?

उत्तर - 1868 ई० में फ्रांसीसीयों के द्वारा इसाई धर्म का जोर शोर एवं उग्र तरीके से प्रसार-प्रसार किया जा रहा था। जिनके विरोध मे वियतनामी लोगो ने खास कर न्गुयेन और हातियेन्ह लोगों ने इसाईयों को हजारों हजार की संख्या मे मौत के घाट उतार दिया। इस घटना को ही स्कॉलर्स रिवॉल्ट कहा जाता है। न्गुयेन और हातियेन्ह को वियतनाम की लपलपाती तलवार भी कहा जाता है

Q. होआ - हाओ अंदोलन क्या है ?

उत्तर - यह एक प्रकार का क्रांतिकारी धार्मिक अंदोलन था। जिसकी शुरू[illegible] ई० मे हुइन-फू-सो (समाज सुधारक) ने की। सबसे पहले मेकॉन डेल्टा नामक जगह से इसकी शुरुआत हुई । इसका उद्देश्य

1. गरीबो को सहायता करना

2. व्यर्थ खर्च पर रोक

3. लड़की को क्रय-विक्रय पर विरोध

★ आधुनिकीकरण और राष्ट्रवाद

फान बोई चाउ :- फ्रांसीसियों के बढ़ते उग्र रवैये के कारण हिन्द-चीन के लोगों में राष्ट्रवाद की भावना पनप रही थी। और वे फ्रांसीसियों को किसी भी कीमत पर यहाँ से भगाना चाहते थे। शुरुआत के दिनों में वियतनाम के दो बड़े-बड़े राष्ट्रवादी (फान बोई

चाउ और फान-चु-त्रिंन्ह) फ्रांसीसियों के ईस रवैये से तंग आकर सन् 1903 ई० में फान बोई चाउ ने रिवोल्यूशनरी सोसाइटी का गठन किया। और कुआंग दे को ईस सोसाइटी का अध्यक्ष बनाया। फान बोई चाउ पर चीनी सुधारक लियांग किचाऊ का बहुत प्रभाव था। और लियांग किचाऊ के कहने पर ही फान बोई चाउ ने "द हिस्ट्री ऑफ द लॉस ऑफ वियतनाम" नामक किताब की रचना की।

★ पूर्व की ओर चलो आन्दोलन

- वियतनाम में युवा वर्ग के लोग क्रांतिकारी गतिविधियों में संलिप्त होने के लिए और फ्रांसीसियों के अत्याचार से बचने के लिए जापान और चीन के इलाकों में जाकर शरण लेते थे। और वहीं से शिक्षा ग्रहण कर क्रांतिकारी गतिविधियों को अंजाम देते थे। चुकी चीन और जापान दोनों ही वियतनाम के पूर्व में था, और लोगों ने चीन और जापान जाने के लिए एक आन्दोलन जैसा माहौल खड़ा कर दिया। इसी को पूर्व की और चलो आन्दोलन के नाम से जाना जाता है।

★ वियतनाम में साम्यवाद और राष्ट्रवाद

• शुरूआती दिनों में वियतनाम में जो भी क्रांतिकारी गतिविधि चल रही थी वो सब शांतिपूर्ण तरीके से चल रही थी। और इस वजह से फ्रांसीसियों पर इसका कोई प्रभाव नही पड़ रहा था। फलतः वियतनाम के राष्ट्रवादियों ने अपनी निति बदली और साम्यवाद की ओर अग्रसर हो गये। और वियतनामियों को साम्यवाद की और लेकर जाने वाले जो नेता थे, उनका नाम था हो-चि-मिन्ह ।

Q. हो- चि मिन्ह का संक्षिप्त वर्णन करें।

उत्तर - हो- चि मिन्ह का जन्म 1890 ई० में मध्य वियतनाम के क्षेत्र में एक गरीब किसान परिवार मे हुआ था। इनका बचपन का नाम ड्युएन शिन्ह कुंग था।

इन्हे अंकल हो भी कहा जाता है। ये मार्क्स वादी विचारधारा से प्रभावित थे। इनकी प्रारंभिक शिक्षा फ्रांसीसी स्कुल मे हुआ था। 1910 ई० मे शैक्षिणक विभाग मे भाग लिया। किंतु घर की आर्थिक स्थिती दैनिय होने के कारण कुछ वर्षों तक बच्चो को पढ़ाने का कार्य किया। साथ ही जहाज चलाने का नौकरी किया। ये अच्छा शिक्षण ग्रहण के लिए रूस की राजधानी मास्को गए और वहाँ कुछ साम्यवादी नेताओं से इनका मुलाकात हुआ और इन्होने 1917 में साम्यवादी गुट का गठन किया और इससे प्रभावति होकर 1925 ई० में क्रांतिकारी वियतनामी दल का गठन किया और तमाम जनता को जागरूक किया और साथ ही साथ 1930 ई० में वियतनाम कम्युनिस्ट पार्टी का गठन किया। बाद में इस पार्टी का नाम बदलकर इंडो-चाईनिज कम्युनिस्ट पार्टी का किया गया । और इस प्रकार वियतनाम 1945 ई० में फ्रांस से मुक्त हो गया। इनके काल में आर्थिक विकास चरम सीमा पर पहुँच गई और अंत में हो- ची मिन्ह की मौत 1969 BOA ई० में हो जाती है।

Q. हिन्द चीन में राष्ट्रवाद विकास के कारणो का वर्णन करे।

उत्तर - हिन्द चीन मे राष्ट्रवाद के विकास की भावना 20वीं शताब्दी से झलक दिखाई देने लगा। इसके कई प्रमुख कारण है-

1. औपनिवेशिक शोसन: फ्रांसीसी सरकार द्वारा हिन्द चीन का जमकर शोसन किया जा रहा था। इस बात से राष्ट्रवादी विचारधारा और राष्ट्रीय चेतना का विकास किया। इसमें संस्था और छात्रो का आंदोलन सक्रीय रहा।

2. औपनिवेशिक धार्मिक निती: फ्रांसीसी हिन्द-चीन के क्षेत्रो मे रहने वाले लोगो के जीवन मे परिवर्तन लाना चाहते थे। जिसका केन्द्र बिन्दु इसाई धर्म को अपनाना था। अतः इस धर्म से जनता मे असंतोष फैल गई और अपनी राष्ट्र भावना का विकास किया।

3. विश्व घटना का प्रभाव: विश्व की कई प्रमुख घटना ने राष्ट्रवाद के विकास में सहायक साबित हुआ। जैसे - 1905 ई० मे रूस - जापान युद्ध हुआ था। जिससे रूस की बुरी तरह हार हो गई 1911 ई० में चीनी क्रांति हुआ था। जिसके नेता डा० सन्यात सेन थे। 1914 ई० में प्रथम विश्व युद्ध, 1929 मे आर्थिक संकट तथा 1939 में द्वितीय विश्व युद्ध । इन सभी घटनाओ से प्रेरणा लेकर हिन्द - चीन में राष्ट्रवाद का विकास किया। और अंततः 1945 में वियतनाम आजाद हो गया।

Q. हनोई समझौता क्या है ?

उत्तर वियतनाम और फ्रांस के बीच 1946 ई० मे एक समझौता हुआ जिसे हनोई समझौता के नाम से जाना जाता है। इस समझौते के अनुसार फ्रांस ने वियतनाम को एक स्वतंत्र गणराज्य के रूप में स्वीकार कर लिया था।

आजादी और गृह युद्ध

दिएन – विएन – फु – युद्ध - यह युद्ध 7 मई 1954 को हुआ जो वियतनाम के लिए एक निर्णायक युद्ध साबित हुआ । इस युद्ध में फ्रांसीसियों की बुरी तरह से हार हुई और इस युद्ध में यह फैसला लिया गया की अब फ्रांसीसी लोग वियतनाम में नही रहेंगे।

Q. जेनेवा समझौता से आप क्या समझते है ?

उत्तर - हिन्द चीन की वार्ता की समस्या को लेकर 1954 में एक समझौता हुआ। जिसे जेनेवा समझौता के नाम से जाना जाता है। इस समझौता में वियतनाम दो भागों मे बॅट गया।

उत्तरी वियतनाम का नेता:- हो-ची-मिन्ह

दक्षिणी वियतनाम का नेता:- बाओदाई

विभाजन के बाद वियतनाम युद्ध का स्थल बनकर रह गया। चारो ओर तबाही मच गई।

★ अमेरिका का हिन्द चीन मे प्रवेश –

Q. अमेरिका हिन्द चीन मे कैसे प्रवेश किया।

उत्तर - जेनेवा समझौता के तहत पूरा वियतनाम दो भागों मे बॅट गया। जिसमें हो-ची-मिन्ह ने संभाला था। इसका समर्थन रूस और चीन ने (1980) मे किया था। जबकि दक्षिणी वियतनाम का बागडोर बाओदाई ने संभाला था। इसका समर्थन अमेरिका तथा फ्रांस ने किया। अमेरिका हिन्द चीन में साम्यवाद का विस्तार नही चाहता था। इसने साम्यवाद को कुचलते हुए हिन्द चीन में प्रवेश कर गया।

★ वियतनाम में गृह युद्ध –

1954 ई० में जेनेवा समझौता के बाद दक्षिणी वियतनाम पर बाओदाई राज्य कर रहा था, लेकिन सन् 1955 ई० में अमेरिका के सपोर्ट से नगों-दिन्ह-दिएन ने बाओदाई को हटाकर खुद राजा बन गया। जो एक स्वेच्छाचारी राजा था। इसने कुछ कानून बनाये जो जनहित में नही था। अतः 1963 आते-आते पूरा वियतनाम अशांत हो गया। और गृह युद्ध का दौर शुरू हो गया तथा अमेरिका खुल कर के सपोर्ट में उतर गया।

Q. रासायनिक हथियार, ऐंजेट अरिंज और नापाम बम की व्याख्या करे।

उत्तर - अगस्त 1964 ई० में अमेरिका के द्वारा उत्तरी वियतनाम के लोगो के ऊपर अनेक प्रकार का असूत्र शस्त्र के प्रयोग किया जा रहा था। जैसे गोला, बारूद, बम वर्षक विमान, टैंक इत्यादि। इसके अलावा रसायनिक पद्वार्थो का भी छिड़काव किया गया था। जो अत्यंत घातक एवं पर्यावरण के लिए घातक थे। जैसे-

1. नापाक बम :- नापाम बम रासायनिक हथियार था जो एक तरह का ऑर्गेनिक कंपाउंड है। यह अग्नि बमों में गैसोलीन के साथ मिलाकर एक ऐसा मिश्रण तैयार करता था जो त्वचा से चिपक जाता था।

2. ऐंजेट ऑरेंज : एक ऐसा जहर था जिससे पौधों की पत्तियां झुलस जाती थी एवं पेड़ मर जाते थे। अमेरिका इनका इस्तेमाल जंगलों के साथ खेती और आबादी दोनों पर जमकर किया। यह काफी जहरीला था। ऐसा माना जाता है कि 1.1 करोड़ गैलन का छिड़काव किया गया था। जिससे फसल के साथ साथ जंगल भी जलकर राख हो गए। **ऐसा कहा जाता ही की अमेरिका एक युद्ध में लगभग 2 से 2.5 अरब डॉलर खर्च किया था।** इसमे डाइऑक्सीजन पद्वार्थ का प्रयोग किया गया था। जो शरीर में कैंसर रोग उत्पन्न करता है। इसके प्रभाव के कारण कई वर्षों तक वियतनाम में जन्म लेने वाला बच्चा विकलांग पैदा होने लगा।

Q. हो- चि मिन्ह मार्ग से आप क्या समझते है ?

उत्तर - यह मार्ग उत्तरी वियतनाम के लोगों ने बनाया था, जिसे भूलभुलैया भी कहा जाता था। यह मार्ग हनोई से चलकर लाओस कंबोडिया होते हुए वियतनाम तक जाता है जिससे 100 से अधिक कच्ची पक्की सड़के मिलती है। इसी सड़क के माध्यम से लोग आयात-निर्यात करते थे और अपने सैनिकों के पास हथियार और खाना ले जाते थे। लेकिन अमेरिका के द्वारा सड़को पर बम गिराकर मार्ग को नष्ट कर दिया। परंतु उतना ही जल्दी वियतनाम के लोग खास कर महिलाएं आपस मे मिलकर सड़कों का मरम्त कर देते थे ताकि व्यापार और आवागमन बाधित न हो। इसमें अमेरिका को असफलता हुआ था।

★ युद्ध में महिलाओं का योगदान –

अमेरिकी - वियतनामी युद्ध में महिलाओं का योगदान बहुत सराहनिये है। इस युद्ध में उत्तरी वियतनाम के महिलाओं ने पुरुषो के साथ कंधा से कंधा मिलकर युद्ध में हिस्सा लिया।

1. सामान को एक जगह से दुसरे जगह ले जाने के लिए कुली के रूप में कार्य किया।

2. घायल सैनिकों के देख-रेख के लिए नर्सों के रूप में भी कार्य किया।

3. सभी सैनिकों को समय पर खाना पहुचाने का कार्य किया।

4. सैनिकों के लिए बंकर बनाने का कार्य किया।

Q. माइली गाँव की घटना से आप क्या समझते है ?

उत्तर - यह घटना 1968 ई० में घटा था। जिसमे अमेरिका के सैनिक के द्वारा दक्षिणी वियतनाम में माइली गाँव को चारो ओर से घेर कर पुरुषों को बंदी बनाकर पिट-पिट कर उसकी हत्या कर दी। साथ ही महिलाओं और बालिकाओं के बंधक बनाकर कई दिनों तक सामुहिम बलत्कार किया। 12 वर्ष की बालिका और 10 घंटे पहले जन्म देने वाली महिलायों को भी गोली मार दी जाती है। इसके बाद उस गाँव में आग लगा दी। इस सनसनीखेज खबर को एक बुढ़ा व्यक्ति के द्वारा सभी को बताया जाता है। अतः इस घटना को ही माइली गाँव की घटना कहा जाता है।

Q. राष्ट्रपति निक्सन के हिन्द चीन में शांति के संबंध में पाँच सुत्री योजना क्या थी ? इससे क्या प्रभाव पड़ा।

उत्तर - माइली गाँव की घटना 1968 ई० में घटा था जो एक सनसनी भरी खबर थी। इसके कारण अमेरिका के आँखों मे किरकिरी छा गई और वह शर्म मे मारे लज्जित हो गया। अमेरिकी जनता भी हजारों सैनिकों के बलिदान एवं अरबों डॉलर की बर्बादी का विरोध करने लगी जिससे अमेरिका पर निरंतर दबाव बढ़ने लगा। अमेरिका के समक्ष आर्थिक संकट एवं सैनिक मनोबल के ह्रास की स्थिति उत्पन्न हो गयी। विश्व के कोने कोने में इसकी बहुत आलोचना होने लगी। इस बात को लेकर निक्सन की पाँच सुत्री योजना इस प्रकार से प्रस्तुत की जाती है:

1. हिन्द चीन की सभी सेनाए युद्ध बंद करो।

2. युद्ध विराम के दौरान सभी प्रकार की लड़ाई बंद करो।

3. युद्ध विराम के दौरान कोई भी देश अपनी शक्ति का विस्तार नही करेगा।

4. युद्ध विराम का अंतिम लक्ष्य शांति स्थापित करना होगा।

5. युद्ध विराम की देख भाल प्रयवेक्षक करेंगे। **इसका प्रभाव असफल रहा।**

★ राष्ट्रपति निक्सन के आठ-सूत्री प्रस्ताव

- पाँच-सूत्री योजना के विफल हो जाने के बाद सन् 1972 ई० में राष्ट्रपति ने पुनः आठ-सूत्री प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इसका भी उद्देश्य हिंदचीन (Indochina) के संघर्ष को समाप्त करना था। प्रस्ताव के महत्त्वपूर्ण बिंदु इस प्रकार थे-

1. समझौता होने के छह महीनों के अंदर दक्षिणी वियतनाम से अमेरिकी और अन्य विदेशी सैनिकों को वापस बुला लिया जाएगा।

2. सेना की वापसी के बाद बंदी नागरिकों और सैनिकों को स्वतंत्र कर दिया जाएगा।

3. छह महीनों के अंदर दक्षिण वियतनाम में राष्ट्रपति के लिए चुनाव करवाए जाएंगे । यह चुनाव अंतरराष्ट्रीय निरीक्षण में करवाया जाएगा।

4. सभी पक्ष जेनेवा समझौता की शर्तों का पालन करेंगे।

5. हिंदचीन के सभी देश अपनी समस्याओं का समाधान स्वयं कर सकेंगे।

6. हिंदचीन में युद्ध-विराम लागू होगा तथा कोई भी विदेशी सेना हिंदचीन में प्रवेश नहीं कर सकेगी।

7. समझौते के सैनिक पक्ष की देखभाल एक अंतरराष्ट्रीय संस्था करेगी।

8. हिंदचीन के नागरिकों के मौलिक अधिकारों की सुरक्षा एक अंतरराष्ट्रीय संस्था करेगी। साथ ही, यही संस्था दोनों वियतनाम, लाओस और कंबोडिया की स्थिति निर्धारित करेगी। निक्सन का यह प्रस्ताव भी विफल हो गया। उत्तरी वियतनाम ने इस प्रस्ताव को भी अस्वीकृत कर दिया।

Short Answer Type Question

इंडो-चाइना (हिंदचीन) में उपनिवेशवाद और राष्ट्रवाद

1. 'एकतरफा अनुबंध व्यवस्था' से आप क्या समझते हैं?

उत्तर - उत्पादकता बढ़ाने के लिए फ्रांसीसी सरकार वियतनामी मजदूरों से बागानों, फार्मों एवं खदानों में 'एकतरफा अनुबंध व्यवस्था' के अंतर्गत काम करवाती थी। यह अनुबंध मालिकों और मजदूरों के बीच होता था। अनुबंध में सभी अधिकार मालिकों के हाथों में सुरक्षित थे, श्रमिकों को कोई अधिकार नहीं दिया गया। काम पूरा नहीं करने पर मालिक मजदूरों को दंडित कर सकते थे एवं जेल भेज सकते थे। उनकी स्थिति गुलामों के समान थी।

2. 'स्कॉलर्स रिवोल्ट' पर एक टिप्पणी लिखें।

उत्तर - 1868 में वियतनाम में ईसाई धर्म के बढ़ते प्रभाव और फ्रांसीसी आधिपत्य के विरुद्ध एक सशक्त आंदोलन हुआ । इस आंदोलन को राजदरबार के अधिकारियों ने चलाया। विद्रोहियों ने हजारों ईसाइयों को मार डाला। यद्यपि यह विद्रोह क्रूरतापूर्वक दबा दिया गया, परंतु इससे राष्ट्रवादी भावना का विकास हुआ।

3. होआ हाओ आंदोलन के विषय में आप क्या जानते हैं?

उत्तर - यह आंदोलन उपनिवेशवाद-विरोधी था। यह आंदोलन 1939 में वियतनाम में आरंभ हुआ। इसका प्रभाव सबसे अधिक मेकोंग डेल्टा में था। इस आंदोलन को आरंभ करनेवाला हुइन्ह फू सो था। वह लौकिक शक्तियों में विश्वास रखता था तथा समाज- सुधारक था। यह आंदोलन राष्ट्रवाद की मुख्यधारा से जुड़कर उपनिवेशवाद-विरोधी बन गया। हुइन्ह फू सो के बढ़ते प्रभाव को रोकने के लिए सरकार ने कठोर कार्रवाई की।

4. फान बोई चाऊ पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।

उत्तर - फान बोई चाऊ वियतनाम के महान राष्ट्रवादी थे। वे फ्रांसीसी सत्ता के विरोधी थे। इसे समाप्त करने के लिए उन्होंने आंदोलन चलाया। 1903 में उन्होंने दुई तान होई नामक क्रांतिकारी संगठन बनाया। इस दल ने उपनिवेशवाद-विरोधी आंदोलन चलाया। उन्होंने दि हिस्ट्री ऑफ दि लॉस ऑफ वियतनाम नामक पुस्तक लिखकर जनमानस को झकझोर दिया। वियतनाम की स्वतंत्रता के लिए वे राजशाही का समर्थन और सहयोग लेने के हिमायती थे।

5. हो ची मिन्ह का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

उत्तर - हो ची मिन्ह (1890-1969) वियतनाम के प्रमुख राष्ट्रवादी नेता थे। उनके नेतृत्व में वियतनाम ने फ्रांसीसी आधिपत्य से मुक्ति पाने के लिए लंबा संघर्ष किया। वे आरंभ से ही साम्यवादी विचारधारा से प्रभावित थे। उन्होंने वियतनामी कम्युनिस्ट पार्टी (वियतनाम काँग सेन देंग) तथा लीग फॉर दि इंडिपेंडेंस ऑफ वियतनाम (वियतमिन्ह) की स्थापना कर स्वतंत्रता आंदोलन चलाया। द्वितीय विश्वयुद्ध में जापान के आत्मसमर्पण के बाद उन्होंने 1945 में वियतनाम लोकतांत्रिक गणराज्य की स्थापना की एवं इसके अध्यक्ष बने। हनोई समझौता के अनुसार वियतनाम को गणराज्य का दर्जा मिल गया। बाद में वियतनाम में गृहयुद्ध छिड़ने के बाद भी वे अपनी मृत्यु तक राष्ट्रीय आंदोलन में सक्रिय रहे।

6. अमेरिका हिंदचीन में कैसे दाखिल हुआ? चर्चा करें।

उत्तर- अमेरिका दक्षिणी वियतनाम और हिदचीन में बढ़ते साम्यवादी प्रभाव को रोकना चाहता था। वह पहले से ही वहाँ आर्थिक और सैनिक सहायता दे रहा था। राष्ट्रपति कैनेडी के शासनकाल में 1962 में अमेरिका ने दक्षिणी वियतनाम में सेना भेजकर प्रत्यक्ष रूप से युद्ध में भाग लिया।

7. जेनेवा समझौता (1954) का हिंदचीन के इतिहास में क्या महत्त्व है ?

उत्तर - जेनेवा समझौता द्वारा

(i) लाओस और कंबोडिया स्वतंत्र कर दिए गए।

(ii) वियतनाम का विभाजन अस्थायी रूप से उत्तरी वियतनाम और दक्षिणी वियतनाम में कर दिया गया। उत्तरी वियतनाम में हो ची मिन्ह की सरकार को मान्यता दी गई। दक्षिण में बाओदाई की सरकार बनी रही।

(iii) 1956 में वियतनाम में आम चुनाव करवाने की व्यवस्था की गई। जेनेवा समझौता ने पूरे हिंदचीन में राजनीतिक अशांति ला दी। लाओस, कंबोडिया और वियतनाम में गृहयुद्ध आरंभ हो गया।

8. नापाम और एजेंट ऑरेंज क्या था ? अथवा, रासायनिक हथियारों एवं एजेंट ऑरेंज का परिचय दीजिए। अथवा, नापाम और एजेंट ऑरेंज से आप क्या समझते हैं?

उत्तर - ये घातक रासायनिक हथियार थे जिनका उपयोग अमेरिका ने वियतनामी युद्ध में किया। नापाम में गैसोलिन मिला रहता था जो ज्वलनशील होकर त्वचा से चिपककर जलता रहता था। एजेंट ऑरेंज खतरनाक जहर था। उसे जिन ड्रमों में रखा जाता था उनपर नारंगी (ऑरेंज) रंग की पट्टियाँ बनी होती थीं। इनके प्रयोग से धन-जन की भारी हानि हुई। अमेरिका ने व्यापक रूप से एजेंट ऑरेंज का छिड़काव वियतनाम में किया। इसके प्रभाव से जंगल और फसल नष्ट हो गए तथा मानवों में जन्मजात विकलांगता उत्पन्न हुई।

9. हिंदचीन में फ्रांस की औपनिवेशिक महासंघ की योजना क्या थी?

उत्तर - द्वितीय विश्वयुद्ध की समाप्ति के पश्चात फ्रांस ने पुनः हिंदचीन में अपना प्रभाव बनाए रखने के लिए फ्रांसीसी महासंघ की योजना प्रस्तुत की। इसके अनुसार

(i) फ्रांसीसी साम्राज्य को एक महासंघ में बदल दिया जाएगा। इनमें सभी अधीनस्थ उपनिवेशों को रखा जाएगा।

(ii) हिंदचीन इस महासंघ का एक स्वशासित अंग होगा।

(iii) हिंदचीन के संरक्षित राज्यों और कोचीन-चीन को मिलाकर एक संघ राज्य का गठन होगा जिसमें हिंदचीन के सभी नागरिकों को समान रूप से राजकीय पद प्राप्त करने का अधिकार होगा।

(iv) हिंदचीन संघ की विदेश और सैन्य नीति पर फ्रांस का नियंत्रण रहेगा। हिंदचीन के राष्ट्रवादियों ने इस योजना को अस्वीकृत कर दिया।

10. बाओदाई का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

उत्तर - द्वितीय विश्वयुद्ध में जापान के पराजय के बाद जापानियों ने अन्नाम का शासन वहाँ के प्राचीन राजवंश के सम्राट बाओदाई को सौंप दिया, परंतु उसने शीघ्र ही पद त्याग दिया। इससे वियतनामी

गणराज्य की स्थापना का मार्ग प्रशस्त हो गया। हनोई समझौता के दौरान फ्रांस ने पुनः बाओदाई को कोचीन चीन का शासक बना दिया। जेनेवा समझौता के बाद बाओदाई दक्षिण वियतनाम का शासक बना रहा। 1961 में बाओदाई की सरकार का तख्तापलट कर दिया गया।

Long Answer Type Question

इंडो-चाइना (हिंदचीन) में उपनिवेशवाद और राष्ट्रवाद

1. हिंदचीन में उपनिवेश स्थापना का उद्देश्य क्या था ?

उत्तर - हिंदचीन में फ्रांसीसियों ने निम्नलिखित उद्देश्यों की पूर्ति के लिए उपनिवेश स्थापित किए।

आर्थिक – हिंदचीन में अर्थव्यवस्था का आधार कृषि और बागान था । प्रचुर मात्रा में धान एवं रबर का उत्पादन होता था। इसका लाभ उठाकर फ्रांसीसी अपनी अर्थव्यवस्था सुदृढ़ करना चाहते थे। कृषि के साथ ही हिंदचीन खनिज पदार्थों से भी परिपूर्ण था। कोयला, टिन, जस्ता, टंग्स्टन, क्रोमियम जैसे खनिज प्रचुर मात्रा में उपलब्ध थे। इनका उपयोग फ्रांस अपने उद्योगों के विकास के लिए कर सकता था। औद्योगिकीकरण के साथ ही फ्रांस को अपने उत्पादित सामानों के लिए बड़ा बाजार भी मिल सकता था। इससे फ्रांस के व्यापार-वाणिज्य का भी विकास होता ।

व्यापारिक सुरक्षा - फ्रांस को डच एवं अँगरेजी व्यापारिक कंपनियों की प्रतिस्पर्द्धा का सामना करना पड़ रहा था। हिंदचीन में अँगरेजी प्रभाव नहीं था। अतः, व्यापारिक और आर्थिक दृष्टिकोण से हिंदचीन फ्रांसीसियों के लिए भारत और चीन से अधिक सुरक्षित था।

असभ्यों को सभ्य बनाने का उद्देश्य - अन्य यूरोपीय प्रजातियों के समान फ्रांसीसी भी विश्व के 'असभ्यों' को 'सभ्य' बनाना अपना उत्तरदायित्व मानते थे। यह कार्य फ्रांस हिंदचीन में उपनिवेश की स्थापना करके ही कर सकता था। अतः, हिंदचीन के औपनिवेशीकरण की नीति अपनाई गई।

2. हिंदचीन में फ्रांसीसियों द्वारा किए गए सकारात्मक कार्यों की समीक्षा करें।

उत्तर - **(i) कृषि का विकास** - कृषि के क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण सुधार किए गए। दलदली और जंगली क्षेत्रों में कृषि का विस्तार किया गया। उत्पादकता बढ़ाने के लिए मेकांग डेल्टा क्षेत्र में नहरों एवं जलधाराओं का निर्माण कर सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराई गई। इससे धान की खेती का विस्तार हुआ तथा उपज बढ़ गई।

(ii) संरचनागत विकास - संरचनागत विकास के लिए अनेक परियोजनाएँ आरंभ की गईं। एक विशाल रेल नेटवर्क द्वारा संपूर्ण हिंदचीन को जोड़ दिया गया। इससे वियतनाम, चीन, कंबोडिया, थाईलैंड आपस में जुड़ गए। सड़कों का भी जाल बिछा दिया गया तथा बंदरगाहों का विकास किया गया।

(iii) नई शिक्षा नीति - हिंदचीन पर अपना प्रभाव बनाए रखने के लिए नई शिक्षा नीति बनाई गई। परंपरागत शैक्षणिक व्यवस्था समाप्त कर दी गई। नए फ्रांसीसी स्कूल खोले गए। फ्रांसीसी भाषा में शिक्षा देने की व्यवस्था की गई। नई पुस्तकें तैयार करवाई गई जिनमें फ्रांसीसियों का गुणगान किया गया तथा फ्रांसीसी शासन को लाभदायक बतलाया गया। 1907 में वियतनाम में टोकिन फ्री स्कूल स्थापित किए गए। इनका उद्देश्य आधुनिकता की शिक्षा देना था।

(iv) **धार्मिक सुधार** - धार्मिक जीवन पर से फ्रांसीसी चीन का प्रभाव समाप्त करना चाहते थे। वियतनाम में चीनी धर्मसुधारक कन्फ्यूशियस की शिक्षाओं का व्यापक प्रभाव था। फ्रांसीसी इसे समाप्त कर ईसाई धर्म का प्रचार करना चाहते थे। इसके लिए प्रयास आरंभ किए गए। ईसाई मिशनरियों को सुविधा और संरक्षण दिया गया। फलस्वरूप, ईसाई धर्म का तेजी से प्रचार-प्रसार हुआ।

औपनिवेशिक सरकार के इन कार्यों का मुख्य उद्देश्य फ्रांसीसी हितों की रक्षा करना एवं अभिजात वर्ग का समर्थन प्राप्त करना था।

3. कंबोडिया के इतिहास में नोरोडोम सिहानुक की भूमिका का उल्लेख कीजिए।

उत्तर - जेनेवा समझौता (1954) के द्वारा कंबोडिया को स्वतंत्र राष्ट्र का दर्जा दिया गया। राजकुमार नोरोडोम सिहानुक को शासनाध्यक्ष बनाया गया। सिहानुक ने तटस्थतावादी नीति अपनाई। वे अमेरिका समर्थित दक्षिण-पूर्व एशियाई संगठन में सम्मिलित नहीं हुए। इससे चिढ़कर अमेरिका ने बदले की कार्रवाई आरंभ कर दी। 1969 में अमेरिकी जहाजों ने कंबोडिया में जहर की वर्षा कर हजारों एकड़ रबर की फसल नष्ट कर दी। सिहानुक ने क्षतिपूर्ति की माँग की जिसे ठुकरा दिया गया। अब सिहानुक ने साम्यवादी पूर्वी जर्मनी से संबंध बढ़ाने आरंभ कर दिए। अमेरिका कंबोडिया में साम्यवादी प्रभाव नहीं बढ़ने देना चाहता था। इसलिए, उसने 1970 में सी० आई० ए० की सहायता से सिहानुक का तख्तापलट कर जनरल लोन नोल के नेतृत्व में अमेरिका समर्थित दक्षिणपंथी सरकार की स्थापना की। सिहानुक ने पेकिंग में अपनी नई सरकार बनाई तथा लोन नोल

की सरकार को अवैध घोषित कर दिया। उत्तरी वियतनाम की सहायता तथा चीन के समर्थन से उन्होंने लोन नोल के विरुद्ध युद्ध आरंभ कर दिया। जब सिहानुक की विजयी सेना राजधानी नोम पेन्ह की ओर बढ़ी तब अमेरिका ने कंबोडिया में अपनी सेना भेज दी। युद्ध के भयंकर होने पर 1970 में जकार्ता सम्मेलन बुलाया गया, लेकिन शांति की स्थापना नहीं हो सकी। खूनी संघर्ष चलता रहा। 1975 में सिहानुक की 'लाल खमेर सेना' ने राजधानी पर अधिकार कर लिया। 1975 में स्वदेश वापस आकर सिहानुक पुनः शासनाध्यक्ष बने। कंबोडिया का नाम बदलकर कंपूचिया कर दिया गया। 1978 में उन्होंने राजनीति से संन्यास ले लिया। अमेरिकी नीति कंबोडिया में भी विफल हो गई।

4. वियतनाम के स्वतंत्रता संग्राम में हो ची मिन्ह के योगदान का मूल्यांकन करें।

उत्तर - वियतनामी स्वतंत्रता संग्राम में हो ची मिन्ह की अग्रणी भूमिका थी। वियतनाम की स्वतंत्रता के लिए उन्होंने लंबा और कठिन संघर्ष किया। वे मार्क्सवादी विचारधारा से प्रभावित थे। 1925 में उन्होंने 'वियतनामी क्रांतिकारी दल', 1930 में 'वियतनामी कम्युनिस्ट पार्टी' तथा 'वियेतमिन्ह' की स्थापना की। द्वितीय विश्वयुद्ध में इसने फ्रांसीसियों और जापानियों, दोनों को परेशान किया। सितंबर 1945 में वियतनाम लोकतांत्रिक गणराज्य की स्थापना की गई। इसके अध्यक्ष हो ची मिन्ह बने ।

गणराज्य की स्थापना के बाद भी वियतनाम की समस्या का अंत नहीं हुआ। फ्रांस हिंदचीन पर अपना प्रभाव खोना नहीं चाहता था। उसने फ्रांसीसी महासंघ की योजना बनाई, परंतु वियतनाम ने इसे स्वीकार नहीं किया। 1946 के हनोई समझौता के अनुसार, वियतनामी गणराज्य को एक स्वतंत्र इकाई के रूप में फ्रांस ने मान्यता प्रदान कर दी। इसके बावजूद फ्रांस और वियतनाम का संघर्ष नहीं रुका। जेनेवा समझौता (1954) के द्वारा शांति बहाली का प्रयास किया गया। वियतनाम का विभाजन उत्तरी और दक्षिणी वियतनाम में कर दिया गया। उत्तरी वियतनाम में हो ची मिन्ह की साम्यवादी सरकार बनी रही तथा दक्षिण में फ्रांस-समर्थित बाओदाई की सरकार। इसके बाद भी स्थिति सामान्य नहीं हुई। हो ची मिन्ह ने वियतनाम के एकीकरण के लिए प्रयास आरंभ कर दिया। फलतः, गृहयुद्ध आरंभ हो गया। अमेरिका के युद्ध में प्रवेश और उसके द्वारा साम्यवादियों को कुचलने की नीति से वियतनामी युद्ध लंबा खींचा। युद्ध के दौरान ही 1969 में हो ची मिन्ह की मृत्यु हो गई।

5. माई ली गाँव की घटना क्या थी? इसका क्या प्रभाव पड़ा ?

उत्तर - माई ली दक्षिणी वियतनाम का एक गाँव था। अमेरिका को शक था कि इस गाँव के निवासी वियतकांग समर्थक थे। अतः, उन्हें दंडित करने के उद्देश्य से अमेरिकी सेना ने पूरे गाँव को घेरकर उसपर आक्रमण कर दिया। गाँव के सभी पुरुषों की निर्दयतापूर्वक हत्या कर दी गई। इतने से ही सेना संतुष्ट नहीं हुई। स्त्रियों और बच्चियों को भी नहीं बख्शा गया। उन्हें बंधक बनाकर रखा गया और कई दिनों तक उनके साथ सामूहिक बलात्कार किया गया। इसके बाद आग लगाकर पूरे गाँव को जलाकर राख के ढेर में बदल दिया गया। हत्याकांड और आगजनी के बाद, लाशों के ढेर में दबा हुआ एक वृद्ध व्यक्ति जिंदा बच गया। किसी प्रकार वह लुकते-छिपते गाँव से भागने में सफल हो सका। बाहर आकर उसने इस लोमहर्षक घटना का आँखों देखा विवरण लोगों को सुनाया। इससे अमेरिकी नीति के विरुद्ध रोष और घृणा की भावना बढ़ी। अमेरिकी नीति की कटु आलोचना हुई। दूसरी ओर वियतनामियों में इस घटना से सदमा और रोष उत्पन्न हुआ। वे अमेरिकी वियतनामी युद्ध में दुगुने जोश से लड़ने लगे।

6. राष्ट्रपति निक्सन की हिंदचीन में शांति के लिए पाँच-सूत्री योजना क्या थी? इसका क्या प्रभाव पड़ा ?

उत्तर - वियतनामी गृहयुद्ध में अमेरिका की भागीदारी को लेकर उसकी कटु आलोचना हो रही थी। इसलिए, 1965 से ही शांति वार्ता के प्रयास होने लगे थे, परंतु वे विफल रहे। माई ली गाँव की घटना के बाद आलोचना और दबाव से विवश होकर निक्सन ने 1970 में पाँच सूत्री प्रस्ताव (योजना) प्रस्तुत किया। इसके अनुसार,

(i) हिंदचीन में सभी पक्षों को युद्ध-विराम करते हुए यथापूर्व स्थिति बनाए रखनी थी।

(ii) अंतरराष्ट्रीय प्रेक्षकों और संबद्ध देशों को देखना था कि युद्ध-विराम का उल्लंघन नहीं हो।

(iii) युद्ध-विराम के दौरान कोई देश अपनी शक्ति बढ़ाने का प्रयास नहीं करेगा।

(iv) युद्ध-विराम के दौरान सभी प्रकार की लड़ाइयाँ, बमबारी और आतंकी कार्रवाइयाँ बंद रहेंगी।

(v) युद्ध-विराम का अंतिम लक्ष्य समस्त हिंदचीन में संघर्ष का अंत होना चाहिए। निक्सन की यह योजना स्वीकार्य नहीं थी, अतः इसे अस्वीकृत कर दिया गया। अमेरिकी सेना ने पुनः बमबारी आरंभ कर दी। 1972 में निक्सन ने आठ सूत्री योजना प्रस्तुत की।

7. हिंदचीन में अमेरिकी राष्ट्रपति निक्सन द्वारा प्रस्तुत किए गए आठ सूत्री प्रस्ताव की विवेचना कीजिए।

उत्तर - पाँच सूत्री योजना के विफल हो जाने के बाद 1972 में राष्ट्रपति ने पुनः आठ सूत्री प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इसका भी उद्देश्य हिंदचीन के संघर्ष को समाप्त करना था। प्रस्ताव के महत्त्वपूर्ण बिंदु इस प्रकार थे –

(i) समझौता होने के छह महीनों के अंदर दक्षिणी वियतनाम से अमेरिकी और अन्य विदेशी सैनिकों को वापस बुला लिया जाएगा।

(ii) सेना की वापसी के बाद बंदी नागरिकों और सैनिकों को स्वतंत्र कर दिया जाएगा।

(iii) छह महीनों के अंदर दक्षिण वियतनाम में राष्ट्रपति के लिए चुनाव करवाए जाएँगे। यह चुनाव अंतरराष्ट्रीय निरीक्षण में करवाया जाएगा।

(iv) सभी पक्ष जेनेवा समझौता की शर्तों का पालन करेंगे।

(v) हिंदचीन के सभी देश अपनी समस्याओं का समाधान स्वयं कर सकेंगे।

(vi) हिंदचीन में युद्ध-विराम लागू होगा तथा कोई भी विदेशी सेना हिंदचीन में प्रवेश नहीं कर सकेगी।

(vii) समझौते के सैनिक पक्ष की देखभाल एक अंतरराष्ट्रीय संस्था करेगी।

(viii) हिंदचीन के नागरिकों के मौलिक अधिकारों की सुरक्षा एक अंतरराष्ट्रीय संस्था करेगी। साथ ही, यही संस्था दोनों वियतनाम, लाओस और कंबोडिया की स्थिति निर्धारित करेगी।

निक्सन का यह प्रस्ताव भी विफल हो गया। इससे वियतमिन्ह और वियतकांग में संघर्ष तीव्र हो गया।

1. अंकोरवाट के मंदिर का निर्माण किस शासक के द्वारा करवाया गया ?

(A) सूर्यवर्मन द्वितीय (II)

(B) नोरोदोम सिंहानांक

(C) कुआँग

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans – A

2. अंकोरवाट का मंदिर कहाँ स्थित है ?

(A) वियतनाम

(B) थाइलैंड

(C) लाओस

(D) कम्बोडिया

Ans – D

3. हिंद चीन में कौन देश सम्मिलित नहीं था ?

(A) वियतनाम

(B) लाओस

(C) चीन

(D) कंबोडिया

Ans – C

4. हिंद-चीन क्षेत्र में कौन से देश आते हैं ?

(A) चीन, वियतनाम, लाओस

(B) हिंद-चीन, वियतनाम, लाओस

(C) कंबोडिया, वियतनाम, लाओस

(D) कंबोडिया, वियतनाम, थाईलैंड

Ans – C

5. अंकोरवाट में किस हिन्दू देवता का मंदिर है -

(A) विष्णु

(B) ब्रह्मा

(C) शिव

(D) इन्द्र

Ans – A

6. कन्फ्यूशियस कौन था ?

(A) एक लेखक

(B) एक चीनी विचारक

(C) क्रांतिकारी नेता

(D) वियतनाम के नेता

Ans – B

7. हिन्द-चीन किसके अधीन था ?

(A) फ्रांस

(B) ब्रिटेन

(C) स्पैन

(D) अमेरिका

Ans – A

8. हिन्द-चीन में बसने वाले फ्रांसीसी कहे जाते थे -

(A) फ्रांसीसी

(B) शासक वर्ग

(C) कोलोन

(D) जेनरल

Ans – C

9. फ्रेंच इंडो-चाइना की स्थापना किस वर्ष की गई ?

(A) 1802

(B) 1858

(C) 1883

(D) 1887

Ans – D

10. इंडो चाइना किस देश का उपनिवेश था ?

(A) अमेरिका

(B) फ्रांस

(C) इंग्लैंड

(D) जापान

Ans – B

11. वियतनाम में स्कॉलर्स रिवोल्ट किसके विरुद्ध हुआ था ?

(A) सरकारी नौकरी से वंचित करने के विरुद्ध

(B) उच्च शैक्षणिक संस्थाओं में प्रवेश के विरुद्ध

(C) प्रेस पर लगाए गए प्रतिबंध के विरुद्ध

(D) ईसाई धर्मप्रचार के विरुद्ध

Ans – D

12. स्कॉलर्स रिवोल्ट कब हुआ ?

(A) 1868 ई० में

(B) 1867 ई० में

(C) 1869 ई० में

(D) 1870 ई० में

Ans – A

13. हिन्द-चीन पहुँचने वाला प्रथम व्यापारी कौन थे?

(A) इंग्लैण्ड

(B) फ्रांसीसी

(C) पुर्तगाली

(D) डच

Ans – C

14. वियतनाम में टोंकिन फ्री स्कूल किस उद्देश्य से स्थापित किया गया ?

(A) सैनिक शिक्षा देने के लिए

(B) धार्मिक शिक्षा देने के लिए

(C) परंपरागत शिक्षा देने के लिए

(D) पश्चिमी शिक्षा देने के लिए

Ans – D

15. वियतनाम में 'टोंकिन फ्री स्कूल' की स्थापना कब हुई थी ?

(A) 1907 में

(B) 1908 में

(C) 1910 में

(D) 1911 में

Ans – A

16. हिन्द-चीन में कोलोन किन्हें कहा जाता था ?

(A) विद्यार्थियों को

(B) सैनिकों को

(C) फ्रांसीसी नागरिकों को

(D) चीनी नागरिकों को

Ans – C

17. 'वियतमिन्ह' की स्थापना किसने की थी ?

(A) बाओदायी

(A) हो-ची-मिन्ह

(A) फान- बोई -चाऊ

(A) कुआंग दे

Ans – B

18. हो-ची- मिन्ह का शाब्दिक अर्थ है -

(A) मसीहा

(B) क्रांतिकारी

(C) पथप्रदर्शक

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans – C

19. "द हिस्ट्री ऑफ द लॉस ऑफ वियतनाम " किसने लिखा ?

(A) हो-ची-मिन्ह

(B) फान-वोई-चाऊ

(C) कुआंग

(D) त्रियु

Ans – B

20. वियतनामी कम्युनिस्ट पार्टी के संस्थापक कौन थे ?

(A) हो- ची मिन्ह

(B) न्यूयेन आन्ह

(C) राजा फूत्से

(D) हुईन्ह फूसो

Ans – A

21. वियतनाम की जनता का सबसे महान नेता कौन था ?

(A) फान यू त्रिन्ह

(B) हो ची मिन्ह

(C) वियत मिन्ह

(D) फान-बोई चाऊ

Ans – B

22. वियत मिन्ह या वियतनामी स्वतंत्रता लीग स्थापना की थी -

(A) बाओदायी

(B) हो-ची-मिन्ह

(C) फान- बोई- चाऊ

(D) कुआंग दे

Ans – B

23. लियांग किचाओ कौन था ?

(A) चीनी सुधारक

(B) न्यूयेन आन्ह

(C) राजा फुत्से

(D) हुईन्ह फू सो

Ans – A

24. अनामी दल की स्थापना किसने की थी ?

(A) ओन्गुएन आई ने

(B) फान बोई चाऊ ने

(C) फान चू त्रिन्ह ने

(D) हो ची मिन्ह न

Ans – A

25. हो - ची - मिन्ह का दूसरा नाम क्या था ?

(A) फान- बोई- चाऊ

(B) फाम-चू-मिन्ट

(C) न्यूमेन आई कवोक

(D) लियांग किचाओ

Ans – C

26. वियतनाम लोकतांत्रिक गणराज्य की स्थापना किस वर्ष हुई ?

(A) 1930 में

(B) 1942 में

(C) 1944 मे

(D) 1945 में

Ans – D

27. किसकी अध्यक्षता में वियतनाम में लोकतांत्रिक गणराज्य की स्थापना की गई थी ?

(A) माओत्से-तुंग

(B) नेपोलियन तृतीय

(C) कन्फ्यूशियस

(D) हो-ची-मिन्ह

28. बाओदाई कहाँ का शासक था ?

(A) उत्तरी वियतनाम

(B) दक्षिणी वियतनाम

(C) कंबोडिया

(D) लाओस

Ans – B

29.वियतनाम के स्वतंत्रता की घोषणा कब की गई थी?

(A) 1 सितम्बर, 1944 ई०

(B) 2 सितम्बर, 1945 ई०

(C) 3 सितम्बर, 1946 ई०

(D) 4 सितम्बर, 1947 ई०

Ans – B

30. मार्च, 1946 में फ्रांस एवं वियतनाम के बीच होने वाला समझौता किस नाम से जाना जाता है?

(A) जेनेवा समझौता

(B) हनोई समझौता

(C) पेरिस समझौता

(D) धर्मनिरपेक्ष

Ans – B

31. जेनेवा समझौता कब हुआ?

(A) 1946

(B) 1950

(C) 1954

(D) 1954

Ans – C

32. होआ-हाओ आंदोलन के नेता कौन थे?

(A) फान-बोई चाऊ

(B) हुइन्ह-फू-सो

(C) कुआंग

(D) बाओ दाई

Ans – B

33. होआ-होआ आंदोलन किस प्रकृति का था?

(A) क्रांतिकारी

(B) धार्मिक

(C) साम्राज्यवादी समर्थक

(D) क्रांतिकारी धार्मिक

Ans – D

34. जेनेवा समझौता में किस देश को दो भागों में बाँटा गया?

(A) चीन

(B) जापान

(C) वियतनाम

(D) भारत

Ans – C

35. नियो-लियो हकसत (एन०एल०एच०एस०) किसकी राजनीतिक पार्टी थी?

(A) वियेतमिन्ह की

(B) वियतकांग की

(C) पाथेट लाओ की

(D) जनरल लोन नोल की

Ans – C

36. फुंगसाली एवं होऊअफ्रांस प्रांत किस देश के थे?

(A) लाओस

(B) कंबोडिया

(C) वियतनाम

(D) इनमें कोई नहीं

Ans – A

37. 25 दिसम्बर 1955 ई० को लाओस में चुनाव के बाद किसके नेतृत्व में राष्ट्रीय सरकार का गठन हुआ?

(A) पाथेट लाओ

(B) सुवन्न फूमा

(C) कैप्टन कांगली

(D) फुमी नौसवान

Ans – B

38. लाल खमेर सेना का गठन किसने किया था?

(A) कैप्टन कांगली ने

(B) सिंहानुक ने

(C) पोलपोट ने

(D) हेंग सामरिन ने

Ans – B

39. कंपुचिया का पुराना नाम क्या था?

(A) लाओस

(B) वियतनाम

(C) कंबोडिया

(D) इंडोनेशिया

Ans – C

40. नरोत्तम सिंहानुक कहाँ के शासक थे?

(A) वियतनाम

(B) लाओस

(C) थाइलैंड

(D) कंबोडिया

Ans – D

41. पहला 'टेलीविजन युद्ध' किसे कहा गया?

(A) रूसी-जापानी युद्ध

(B) वियतनामी युद्ध

(C) रूस-अफगानिस्तान युद्ध

(D) कोरियाई युद्ध

Ans – B

42. वियतनामी राष्ट्रीयता के जनक कौन थे?

(A) फान-बोई-चाऊ

(B) वाओदायी

(C) कुआंग दे

(D) हो-ची-मिन्ह

Ans – D

42. किस प्रसिद्ध दार्शनिक ने एक अदालत लगाकर अमेरिका को वियतनाम युद्ध के लिए दोषी करार दिया?

(A) रसेल

(B) हो-ची-मिन्ह

(C) नरोत्तम सिंहानुक

(D) रूसो

Ans – A

43. हो-ची मिन्ह मार्ग किस देश से होकर गुजरती थी?

(A) लाओस

(B) कंबोडिया

(C) वियतनाम

(D) उपर्युक्त तीनों देशों से

Ans – D

44. वियतनाम युद्ध की समाप्ति किस अमेरिकी राष्ट्रपति के समय में हुई?

(A) जॉर्ज वाशिंगटन

(B) जॉर्ज बुश

(C) एफ०डी० रूजवेल्ट

(D) आर० निक्सन

Ans – D

45. माई-ली-गाँव की घटना कहाँ हुई थी?

(A) लाओस

(B) दक्षिणी वियतनाम

(C) उत्तरी वियतनाम

(D) कंबोडिया

Ans – B

46. माई ली गाँव हत्याकांड का जिम्मेदार कौन-सा देश था ?

(A) चीन

(B) जापान

(C) वियतनाम

(D) अमेरिका

Ans – D

47. वियतनाम का एकीकरणं कब हुआ?

(A) 1974 ई० में

(B) 1975 ई० में

(C) 1976 ई० में

(D) 1977 ई० में

Ans – B